

अध्याय - 3 | निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रम

QUIZ PART-02

- वैधानिक निगम की स्थापना किसके द्वारा की जाती है?
 - राज्य सरकार
 - निजी संस्था
 - संसद के विशेष अधिनियम द्वारा
 - स्थानीय निकाय(C)

व्याख्या: वैधानिक निगम को बनाने के लिए संसद एक विशेष अधिनियम पारित करती है, जिसमें इसके अधिकार, कार्य तथा नियम तय होते हैं।

- इनमें से कौन वैधानिक निगम का उदाहरण है?
 - मारुति सुजुकी
 - SBI
 - अमूल
 - बालको(B)

व्याख्या: SBI, LIC और RBI जैसे उपक्रम वैधानिक निगमों के प्रमुख उदाहरण हैं।

- वैधानिक निगम का अंतिम वित्तीय उत्तरदायित्व किसका होता है?
 - निदेशक मंडल
 - ग्राहक
 - सरकार
 - कर्मचारी(C)

व्याख्या: वैधानिक निगम सरकार के स्वामित्व में होते हैं इसलिए अंतिम वित्तीय उत्तरदायित्व भी सरकार का ही होता है।

- वैधानिक निगम किस प्रकार की संस्था होती है?
 - गैर-पंजीकृत संस्था
 - निगमित संगठन
 - निजी उद्यम
 - सहकारी समिति(B)

व्याख्या: यह निगमित संगठन होता है और दूसरों पर मुकदमा कर सकता है तथा अपने नाम से मुकदमा डोल सकता है।

- वैधानिक निगम के कर्मचारियों को किस प्रकार के कर्मचारी माना जाता है?
 - राज्य सेवा अधिकारी
 - निजी कर्मचारी
 - संविदा कर्मचारी
 - सरकारी सेवा की सामान्य शर्तों से मुक्त कर्मचारी(D)

व्याख्या: वैधानिक निगम के कर्मचारियों पर सरकारी सेवा शर्तें लागू नहीं होतीं, उनकी सेवा शर्तें अधिनियम में निर्धारित होती हैं।

- वैधानिक निगम अपने वित्त की आवश्यकता कैसे पूरी करते हैं?
 - पूरी तरह सरकार से
 - स्वयं धन जुटाकर
 - विदेशी निवेश से
 - सहकारी निधि से(B)

व्याख्या: वैधानिक निगम अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को स्वयं पूरा करते हैं और इनका खर्च केंद्रीय बजट में शामिल नहीं होता।

- वैधानिक निगमों का एक प्रमुख लाभ क्या है?
 - सरकारी नियंत्रण से पूर्ण स्वतंत्रता
 - कार्य संचालन में व्यापक स्वायत्तता
 - कर्मचारी आसानी से हटाए जा सकते हैं
 - निर्णय संसद लेती है(B)

व्याख्या: अधिनियम द्वारा दिए गए अधिकारों की सीमा के भीतर कार्य करते हुए इन्हें नीतियाँ व प्रक्रियाएँ बनाने की स्वायत्तता होती है।

- वैधानिक निगमों में प्रष्टाचार फैलने का एक कारण क्या माना जाया है?
 - निजी नियंत्रण
 - अत्यधिक पारदर्शिता
 - जनता से लेन-देन की आवश्यकता
 - कर्मचारियों की कमी(C)

व्याख्या: जहाँ जनता के साथ अधिक लेन-देन होता है, वहाँ अनियंत्रित प्रष्टाचार की संभावना बढ़ जाती है।

- वैधानिक निगमों की एक सीमा कौन-सी है?
 - पूर्ण वित्तीय स्वतंत्रता
 - राजनीतिक हस्तक्षेप
 - अत्यधिक लाभ
 - निजी कर्मचारियों की नियुक्ति(B)

व्याख्या: महत्वपूर्ण निर्णयों तथा बड़े व्ययों में सरकार और राजनीति का हस्तक्षेप वैधानिक निगमों की स्वतंत्रता को सीमित कर देता है।

- वैधानिक निगम आर्थिक विकास का एक मूल्यवान उपकरण क्यों माने जाते हैं?
 - इनमें कोई नियम नहीं होता
 - ये केवल निजी लाभ कमाते हैं
 - ये स्वायत्त होकर अपनी योजनाएँ संचालित करते हैं
 - सरकार इनमें निवेश नहीं करती(C)

व्याख्या: स्वायत्तता, स्वयं वित्त पोषण तथा सार्वजनिक हित के कार्यों के कारण वैधानिक निगम आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।